

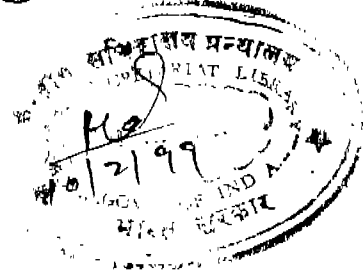


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 696]
No. 696]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 23, 1998/कार्तिक 1, 1920
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 23, 1998/KARTIKA 1, 1920

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1998

आय-कर

का.आ. 923(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80अजकक की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (बाईसवाँ संशोधन) नियम, 1998 है;
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. आयकर नियम, 1962 में नियम 19क के पश्चात् निम्नलिखित नियम 19कख अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“19कख. धारा 80अजकक के अधीन कटौती का दावा करने के लिए रिपोर्ट का प्ररूप।

लेखाकार की रिपोर्ट जिसकी धारा 80अजकक की उपधारा (2) के खंड (ख) के अधीन आय की विवरणी के साथ निर्धारिती द्वारा दिया जाना अपेक्षित है, प्ररूप सं. 10घक में होगी”

3. आयकर नियम 1962 के परिशिष्ट II में प्ररूप सं. 10घ के पश्चात् निम्नलिखित “प्ररूप सं. 10घक” अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

“प्ररूप सं. 10घक
(नियम 19कख देखिए)

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80अजकक के अधीन रिपोर्ट

1. मैंने/हमने 31 मार्च, को समाप्त हुए वर्ष के दौरान के विनिर्माण और/या उत्पादन में लगे औद्योगिक उपक्रम (स्थायी लेखा संख्या सहित निर्धारिती का नाम और पता) के लेखाओं/अभिलेखों की जांच कर ली है।

2. मैं/हम यह प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि निर्धारण वर्ष की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80अकक की उपधारा (1) के अधीन निर्धारिती द्वारा दावा की जाने वाली कटौती रु. हैं, जिसका अवधारण पूर्ववर्ती वर्ष में अवधारिती द्वारा नियोजित नए नियमित कर्मचारों को संदत्त अतिरिक्त मजदूरी के आधार पर किया गया है। उक्त रकम इस प्ररूप के उपाबंध में दिए गए ब्यूरी के आधार पर लिखी गयी है।

तारीख

हस्ताक्षर लेखापाल

टिप्पण

- जो लागू न हो उसे काट दीजिए।
- यह रिपोर्ट—
 - चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट अधिनियम, 1949 (1949 का 32) के अर्थ में चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट द्वारा दी जानी चाहिए; या
 - किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दी जानी चाहिए जो किसी राज्य के संबंध में, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उपधारा (2) के उपबंधों के आधार पर, उस राज्य में रजिस्ट्रीकृत कम्पनी के संपरीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किए जाने का हकदार है।
- यदि इस रिपोर्ट में उल्लिखित बात का उत्तर नकारात्मक या कोई शर्त लगाकर दिया गया है तो उसके लिए कारण अवश्य दिए जाने चाहिए।

उपाबंध

(प्ररूप सं. 10षक का पैरा 2 देखिए)

- निर्धारिती की विशिष्टियां,
 - नाम
 - रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता
 - स्थायी लेखा संख्यांक
- निर्धारण वर्ष
- कारबार की प्रकृति (क्या उपक्रम विनिर्माण या उत्पादन में लगा है, उत्पाद भी परिलक्षित करें)
- नियमित कर्मचारों की संख्या
 - नए चलाए गए एकक की दशा में, कारबार के प्रारम्भ की तारीख (क)
 - विद्यमान एकक की दशा में, पूर्ववर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को (क)
- पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान नियोजित नए नियमित कर्मचारों की संख्या (ख)
- ऐसे नियमित कर्मचारों की संख्या जिनका पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान नियोजन समाप्त हो गया है (ग)
- अंतिम तारीख को नियमित कर्मचारों की संख्या (क+ख-ग)
- कटौती के लिए हकदार नए नियमित कर्मचारों की संख्या (नीचे टिप्पण देखिए)*
- निर्धारित कम्पनी द्वारा नए नियमित कर्मचारों को संदत्त अतिरिक्त मजदूरी (नीचे टिप्पण देखिए)**
- ऊपर मद सं. 9 में उल्लिखित रकम का 30%
- क्या मद 7 में यथा उल्लिखित नियमित कर्मचारों में से कोई निम्नलिखित था—

(क) आकस्मिक कर्मकार	हां/नहीं
(ख) ठेका श्रमिक के माफत नियोजित, या	हां/नहीं
(ग) पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान तीन सौ दिन से कम की अवधि के लिए नियोजित	हां/नहीं

यदि हां, तो उसके ब्यूरी दें
- टिप्पणियां,

टिप्पण :

* (क) नए चलाए गए एकक की दशा में, नए नियमित कर्मचारों की संख्या एक सौ विद्यमान नियमित कर्मचारों से अधिक होनी चाहिए।

(ख) विद्यमान एकक की दशा में, नए नियमित कर्मकारों की संख्या विद्यमान नियमित कर्मकारों के 10% से अधिक होनी चाहिए, किन्तु यदि वृद्धि 10% से कम है तो कोई भी हकदार नहीं होगा।

** (i) नए उपक्रम की दशा में यह पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान नियोजित एक सौ कर्मकारों से अधिक नियमित कर्मकारों को संदत्त मजदूरी है।

(ii) विद्यमान एकक की दशा में, यह एक सौ विद्यमान नियमित कर्मकारों से अधिक नए नियमित कर्मकारों को संदत्त मजदूरी है, किन्तु यदि वर्ष के दौरान नियमित कर्मकारों की संख्या में वृद्धि वर्ष के प्रारम्भ में विद्यमान नियमित कर्मकारों की संख्या के 10% से कम है तो अतिरिक्त मजदूरी शून्य होगी।

[फा.सं. : 142/59/98-टीपीएल]

सुनीति श्रीवास्तव, अवर सचिव

टिप्पणी : मूल नियम अधिसूचना का.आ. 969(अ) तारीख 26.03.1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम अधिसूचना संख्या का.आ. 920 (अ) तारीख 23.10.1998 द्वारा संशोधित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd October, 1998

INCOME-TAX

S.O. 923(E).—In exercise of the powers conferred by proviso to sub-section (2) of section 80JJAA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rule further to amend the Income-tax rules, 1962, namely,—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Twenty Second Amendment) Rules, 1998;

(2) They shall come into force on their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Rules, 1962, after rule 19A, the following rule 19AB shall be inserted, namely—

“19AB. Form of report for claiming deduction under section 80JJAA.

Report of an accountant which is required to be furnished by the assessee along with the return of income under clause (b) of sub-section (2) of section 80JJAA shall be in Form No. 10DA”

3. In Appendix II to the Income-tax Rules, 1962, after FORM No. 10D, the following “FORM NO. 10 DA” shall be inserted namely:—

“FORM NO. 10DA

(See rule 19AB)

Report under section 80JJAA of the Income-tax Act, 1961

1. I/We have examined the accounts and records of.....

(Name and address of the assessee with permanent account number)
an industrial undertaking engaged in the manufacture and/or production of.....during the year ended on 31st day of March.

2. I/We certify that the deduction to be claimed by the assessee under Sub-section (1) of section 80JJAA of Income-tax Act, 1961 with respect of assessment year.....is Rs.determined on the basis of additional wages paid to the new regular workmen employed by the assessee in the previous year. The said amount has been worked out on the basis of details given in annexure to this form.

Date.....

Signed
Accountant

Notes

1. Delete whichever is not applicable.

2. This report is to be given by—

(i) a Chartered accountant within the meaning of Chartered Accountants Act, 1949 (32 of 1949); or

- (ii) any person who in relation to any State is by virtue of the provisions in sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956); entitled to be appointed to act as an auditor of Companies registered in that state.

3. Where any of the matter stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.

ANNEXURE

(See paragraph 2 of form no. 10DA)

1. Particulars of the Assessee,
 - a. Name
 - b. Address of registered office.
 - c. Permanent account Number.
2. Assessment year
3. Nature of business (whether the undertaking is engaged in manufacture or production, identify product also)
4. Number of regular workmen.
 - (a) in case of newly set up unit, as on the date of commencement of business (A).
 - (a) in case of existing unit, as on the first day of the previous year (A).
5. Number of new regular workmen employed during the previous year (B)
6. Number of regular workmen who ceased to continue in employment during the previous year (C).
7. Number of regular workmen as on the last date (A+B-C)
8. Number of new regular workmen entitled for the deduction (*see notes below*)*
9. Additional wages paid to new regular workmen, by the assessee company (*see notes below*)**
10. 30% of the amount mentioned in item No. 9, above.
11. Whether any of the regular workmen as mentioned in col. 7 was

(a) casual worker,	yes/no
(b) employed through contract labour or,	yes/no
(c) employed for a period of less than three hundred days during the previous year	yes/no

If yes, furnish details thereof
12. Remarks,

Notes:

- *(a) in case of newly set up unit, the number of new regular workmen should be in excess of one hundred existing regular/workmen
- (b) in case of existing unit, the number of new regular workmen should be in excess of 10% the existing regular workmen, but if the increase is less than 10% none should be entitled.
- ** (i) In case of new undertaking, it is wages paid to the regular workmen in excess of one hundred workmen employed, during the previous year.
- (ii) in case of existing unit, it is wages paid to the new regular workmen in excess of one hundred existing regular workmen but if the increase in number of regular workmen during the year is less than 10% of number of existing regular workmen as at the beginning of the year, the additional wages will be nil."

[F. No. 142/59/98-TPL]

SUNITI SRIVASTAVA, Under Secy.

Note :—The principal rules were published vide notification No. S. O. 969 (E) dated 26-3-1962 and were last amended vide notification No. S. O. 920(E) dated 22-10-98.